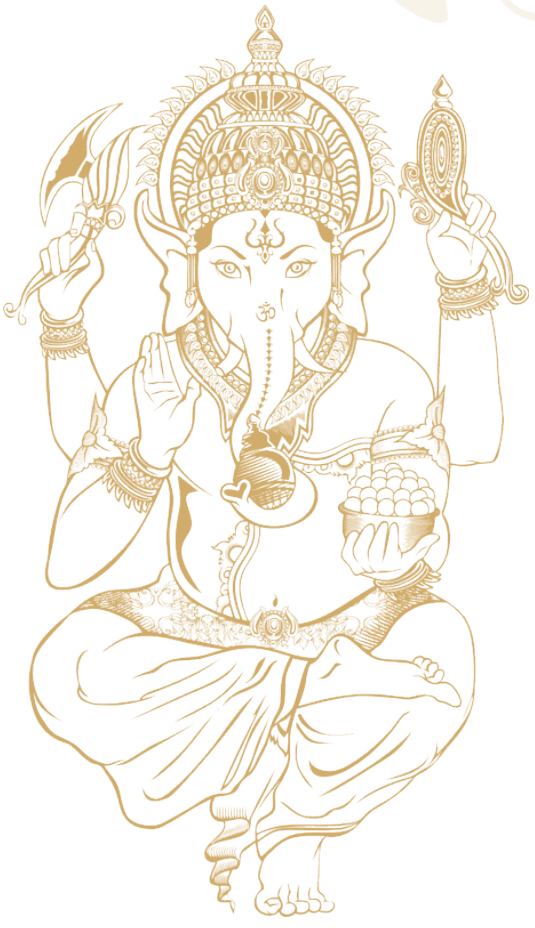

Manas raj

18 Nov 2003

08:30 AM

Munger

Model: web-freekundliweb

Order No: 121706207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/11/2003**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	06:06:53 घटी
स्थान	**Munger**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:24:00 उत्तर
रेखांश	86:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:15:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:45:56 घंटे
वेलान्तर	00:14:58 घंटे
साम्पातिक काल	12:32:57 घंटे
सूर्योदय	06:03:14 घंटे
सूर्यास्त	16:55:00 घंटे
दिनमान	10:51:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:26:06 वृश्चिक
लग्न के अंश	02:46:03 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:46:03	327:14:51	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	01:26:06	01:00:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	12:54:27	13:18:09	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	20:49:53	00:28:55	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			वृश्चि	14:54:41	01:29:59	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
गुरु			सिंह	21:42:50	00:07:53	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	25:00:41	01:14:33	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि	व		मिथु	18:50:30	00:02:30	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मेष	26:32:01	00:00:18	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	26:32:01	00:00:18	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:01:38	00:00:29	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:41:04	00:00:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	24:57:12	00:02:08	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कन्या	15:03:20	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:26

लग्न-चलित

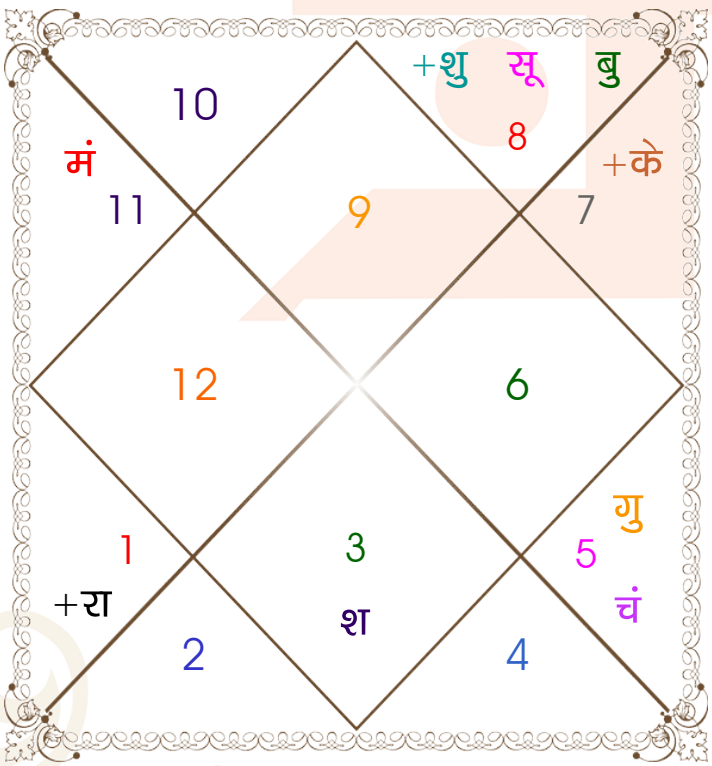

चन्द्र कुंडली

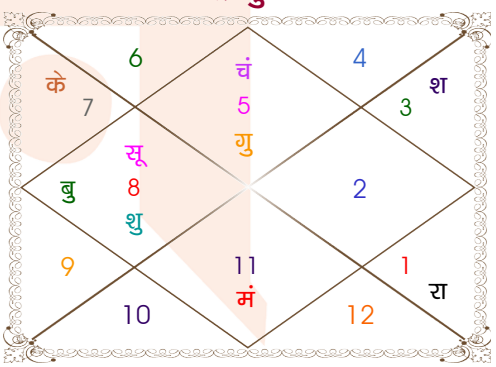

नवमांश कुंडली

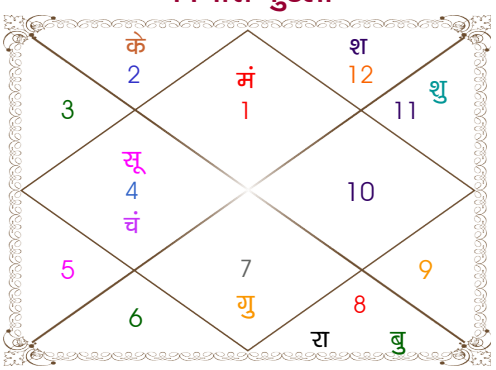

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 2 मास 20 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/11/2003		08/02/2004		08/02/2024		07/02/2030		08/02/2040	
08/02/2004		08/02/2024		07/02/2030		08/02/2040		07/02/2047	
	00/00/0000	शुक्र	09/06/2007	सूर्य	27/05/2024	चंद्र	08/12/2030	मंगल	06/07/2040
	00/00/0000	सूर्य	08/06/2008	चंद्र	26/11/2024	मंगल	09/07/2031	राहु	24/07/2041
	00/00/0000	चंद्र	07/02/2010	मंगल	03/04/2025	राहु	07/01/2033	गुरु	30/06/2042
	00/00/0000	मंगल	09/04/2011	राहु	25/02/2026	गुरु	09/05/2034	शनि	09/08/2043
	00/00/0000	राहु	09/04/2014	गुरु	14/12/2026	शनि	09/12/2035	बुध	05/08/2044
	00/00/0000	गुरु	08/12/2016	शनि	26/11/2027	बुध	09/05/2037	केतु	01/01/2045
	00/00/0000	शनि	08/02/2020	बुध	02/10/2028	केतु	08/12/2037	शुक्र	03/03/2046
	18/11/2003	बुध	08/12/2022	केतु	07/02/2029	शुक्र	09/08/2039	सूर्य	09/07/2046
बुध	08/02/2004	केतु	08/02/2024	शुक्र	07/02/2030	सूर्य	08/02/2040	चंद्र	07/02/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/02/2047		07/02/2065		07/02/2081		08/02/2100		08/02/2117	
07/02/2065		07/02/2081		08/02/2100		08/02/2117		19/11/2123	
राहु	20/10/2049	गुरु	28/03/2067	शनि	11/02/2084	बुध	07/07/2102	केतु	07/07/2117
गुरु	15/03/2052	शनि	08/10/2069	बुध	21/10/2086	केतु	04/07/2103	शुक्र	06/09/2118
शनि	20/01/2055	बुध	14/01/2072	केतु	30/11/2087	शुक्र	04/05/2106	सूर्य	12/01/2119
बुध	08/08/2057	केतु	20/12/2072	शुक्र	29/01/2091	सूर्य	11/03/2107	चंद्र	13/08/2119
केतु	27/08/2058	शुक्र	21/08/2075	सूर्य	11/01/2092	चंद्र	09/08/2108	मंगल	09/01/2120
शुक्र	27/08/2061	सूर्य	08/06/2076	चंद्र	11/08/2093	मंगल	06/08/2109	राहु	27/01/2121
सूर्य	21/07/2062	चंद्र	08/10/2077	मंगल	20/09/2094	राहु	24/02/2112	गुरु	02/01/2122
चंद्र	20/01/2064	मंगल	14/09/2078	राहु	27/07/2097	गुरु	01/06/2114	शनि	11/02/2123
मंगल	07/02/2065	राहु	07/02/2081	गुरु	08/02/2100	शनि	08/02/2117	बुध	19/11/2123

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 2 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।